रिपोर्ट
राष्ट्रीय संगोष्ठी
कन्या महाविद्यालय खरखौदा
सोनीपत (हरियाणा)
8 मार्च, 2019
प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रासंगिकता एवं उपादेयता

कन्या महाविद्यालय, खरखौदा में दिनांक 8 मार्च 2019 को 'प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रासंगिकता एवं उपादेयता' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का आयोजन उच्चतर शिक्षा निदेशालय के तत्वाधान में किया गया। संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय प्रबंध समिति के प्रधान श्री वेदप्रकाश दहिया और प्राचार्या डॉ० (श्रीमती) सुरेश बूरा के संरक्षण में किया गया। माँ सरस्वती की आराधना तथा वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती मीनू सिंह एडिशनल सिविल जज, खरखौदा, मुख्य वक्ता प्रो० पूरनचंद टंडन, दिल्ली विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि प्रो० रामनरेश मिश्र, पूर्व प्रोफेसर, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेन्द्रगढ़, थे। मुख्य अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय प्राचार्या डॉ० (श्रीमती) सुरेश बूरा, डॉ० आशा खत्री, डॉ० गीता शर्मा और संगोष्ठी संयोजिका श्रीमती प्रमिला देवी द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट करके किया गया।

'विश्व महिला दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम इस दिवस की शुभकामनाएँ देती हुई मुख्य अतिथि श्रीमती मीनू सिंह ने वर्तमान युग में मार्ग निर्धारित करने वाली प्रयोजनमूलक हिंदी : अध्ययन एवं चिंतन की प्रेरणा दी।

Principal
Kanya Mahavidyalaya
Kharkhoda, Sonipat

संगोष्ठी की संयोजिका श्रीमती प्रमिला ने प्रयोजनमूलक हिंदी की प्रासंगिकता एवं उपादेयता के विषय में सभा को संबोधित किया तथा विषय की सम-सामयिकता से अवगत कराया। बीज वक्ता पूरनचंद टंडन ने अपने व्याख्यान में प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप को रेखांकित करते हुए इसके प्रयोग पर चिंता व्यक्त की और कहा कि वर्तमान वैश्विक युग में हिंदी को आधुनिक संदर्भों से अच्छी प्रकार जोड़ना होगा। पेट की भाषा सबसे उपयोगी होती है।

उद्घाटन सत्र में प्रो० नरेश मिश्र की 32 वीं पुस्तक 'हिंदी साहित्य की भावभूमि' का लोकार्पण किया गया। प्राचार्या डॉ० (श्रीमती) सुरेश बूरा ने शॉल तथा स्मृति चिह्न भेंट करके समारोह के उद्घाटन सत्र के अतिथियों को सम्मानित किया।

संगोष्ठी को दो तकनीकी सत्रों में बाँटा गया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो० नरेश मिश्र ने की। इस सत्र के विशिष्ट अतिथि डॉ० बी० के० गर्ग, प्राचार्य, हिन्दू कॉलेज, सोनीपत रहे तथा मुख्य अतिथि डॉ० संतोष मुद्गिल, पूर्व प्राचार्या, वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय, बहादुरगढ़ रहीं। डॉ० बी० के० गर्ग ने कहा कि हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप से सबको अवगत होना चाहिए। डॉ० संतोष मुद्गिल ने शोध पत्रों की प्रस्तुति पर विस्तार से चर्चा की। सभाध्यक्ष प्रो० नरेश मिश्र ने प्रयोजनमूलक भाषा की आवश्यकता की चर्चा करते हुए हिंदी भाषा और अनुवाद प्रक्रिया और स्वरूप पर विस्तार से चर्चा की।

द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ० (श्रीमती) मूर्ति मलिक, एसोसिएट प्रोफ़ेसर भक्त फूलसिंह महिला महाविद्यालय, खानपुर कलाँ, सोनीपत के द्वारा की गई।

Principal
Kanya Mahavidyalaya
Kharkhoda, Sonipat

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ॰ विजय कुमार वेदालंकार, पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दू कॉलेज, सोनीपत रहे। इस सत्र के माध्यम से हिंदी भाषा की वैज्ञानिकता हिंदी के शुद्ध उच्चारण व लेखन के साथ-साथ हिंदी को रोजगार की भाषा बनाने तथा हिंदी को कंप्यूटर और इंटरनेट के लिए सुगम बनाने जैसे तकनीकी पहलुओं पर गहन विश्लेषण किया गया।

अंत में महाविद्यालय प्राचार्या द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। अपने संबोधन में प्राचार्या जी ने हिंदी की विश्वव्यापी स्थिति से अवगत करवाते हुए विश्व हिंदी सम्मेलन के अपने अनुभव साझा किए। इसके बाद प्राचार्या जी ने संगोष्ठी में उपस्थित अतिथियों, प्रबंध समिति के सदस्यों, प्रेस तथा मीडिया के प्रतिनिधियों, प्राध्यापकों, विभिन्न स्थानों से आए हुए शोध प्रतिनिधियों तथा छात्राओं का धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर उनका अभिनंदन किया गया। शोध पत्रों की प्रस्तुति समापन सत्र में हुई। इनमें से तीन उत्तम शोध पत्रों का चयन कर सम्मानित किया गया। इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में महाविद्यालय के वाणिज्य, गणित, प्रबंध, अंग्रेजी, भूगोल, संस्कृत, मनोविज्ञान, हिंदी तथा कंप्यूटर विभाग के सभी प्रवक्ता उपस्थित रहे।

Principal
Kanya Mahavidyalay,
Kharkhoda

One Day National Seminar Organised by Hindi Department on 08 March, 2019

Dr. (Mrs.) Suresh Boora, Principal

Lamp lighting by worthy guests

Floral welcome of Chief Guest

Mrs. Meenu Singh
Additional Civil Judge, Kharkhoda

Distinguished Speakers of the Seminar

Presenting Memento to Esteemed Guest

Participants of the Seminar

Dr. Geeta Sharma, Conducting the Stage

Mrs. Permila, Convener of the Seminar

Dr. Priyanka, Conducting the Stage

Valedictory Session

Registration Committee

Principal Madam along with other guests presenting best paper awards and certificates to delegates